केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	[illegible] (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तां[illegible]
16					

परीक्ष[illegible] एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य प[illegible] हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक [illegible] हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
NEET[illegible] AUSHIK 325999004	[illegible]EENA KHAR[illegible] 325168002

2

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATI

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक - 01

रिक्त स्थान :— उत्तर

(अ) निर्वात में प्रकाश का वेग (3×10^{10}) सेमी प्र[illegible] होता है!

(ब) विद्युत अपघटन सम्बन्धी नियम ([illegible]यन) [illegible]दिया!

(स) सरसों (क्रूसीफेरी) कुल का पौधा है

(द) (विद्युत) चुम्बक मुलायम लोहे के बने होते हैं!

(इ) चूने का रासायनिक नाम (कैल्शियम ऑक्साइड) है!

(फ) अनाक्सी श्वसन के पश्चात ([illegible] 21) किलो कैलोरी उष्मा निकलती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 02

सत्य / असत्य :-

(अ) उत्तर — असत्य

(ब) उत्तर — स

(स) उत्तर —

(द) उत्तर — स

(इ) उत्तर — सत्

(फ) उत्तर —

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

सही जोडी :— उत्तर

B S E

क्र.	'अ'	क्र.	'ब'
(i)	विद्युत चुम्बक	(स)	कच्चे लोहे से
(ii)	हजारा	(द)	सिंचाई यंत्र
(iii)	विद्युत बल्ब	(अ)	टंगस्टन
(iv)	डेयरी उद्योग	(इ)	लैक्टोबेसिलस
(v)	जानवर	(ब)	एन्थ्रेक्स

यो. पू. पृ.

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक - 04

एक वाक्य :-

(अ) उत्तर - विघुत धारा का उष्मीय प्रभाव :- जब किसी परिपथ में विघुत धारा प्रवाहित की जाती है। तो विघुत धारा चालक को गर्म कर देती है- जैसे - बल्ब जलाने पर गर्म हो जाता है, हीटर के तार विघुत धारा प्रवाहित होने पर गर्म हो जाते है। इसी को विघुत धारा का उष्मीय प्रभाव कहते है।

(ब) उत्तर - जैल :- परिक्षिप्त प्रवस्था जिसमे द्रव ठोस मे परिवर्तित हो जाता है उसे जैल कहते है।

2

(स) उत्तर - बिन्दुस्त्रावण :- वह क्रिया जिसमे जल पौधो के (पत्ती) भागो से बूदो के रूप मे निकलता है बिन्दुस्त्रावण कहते है। प्रायः यह क्रिया रात मे होती है।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

BSE

(द) उत्तर – क्रेब्स चक्र की खोज "एच. ए. क्रेब्स" ने की थी।

(इ) उत्तर – कुदाली का उपयोग :– पंक्तिबद्ध रूप से बोवाई की ... की गुड़ाई ~~निडाई~~ के लिए उत्तम यंत्र है।

प्रश्न क्रमांक-05

सही विकल्प :–

(अ) उत्तर – (i) वर्ण विक्षेपण।

(ब) उत्तर – (i) विद्युत घंटी मे।

(स) उत्तर – (i) मानक विलयन

(द) उत्तर – (i) लेविएटी

(इ) उत्तर – (iii) 0.03 ... ।

(क) उत्तर — (ii) फिटकरी

प्रश्न क्रमांक - 6

उत्तर - गुण :- चुम्बक के गुण निम्नलिखित है।

(i) चुम्बक चुम्बकीय धात्विक पदार्थों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

(ii) यदि चुम्बक को स्वतंत्रता पूर्वक लटका दिया जाए। तो वह उत्तर - दक्षिण दिशा मे ठहरता है।

प्रश्न क्रमांक - 7

उत्तर - विद्युत सामर्थ्य :- किसी विद्युत परिपथ मे धारा प्रवाहित करने पर प्रति सेकण्ड किया गया कार्य विद्युत सामर्थ्य कहलाता है। विद्युत सामर्थ्य

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

का मात्रक जूल प्रति सेकण्ड या वाट होता है।

प्रश्न क्रमांक - 8

उत्तर - <u>उपयोग</u> :- आयतनी विश्लेषण के उपयोग निम्नलिखित है -

(i) विभिन्न पदार्थ का तुल्यांकी भार ज्ञात करने में।

(ii) मिश्रण की प्रतिशत रचना ज्ञात करने में।

प्रश्न क्रमांक - 9 (अथवा)

उत्तर - <u>उपयोग</u> :- सोडियम कार्बोनेट के दो उपयोग निम्नलिखित है।

(i) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग कीटाणुना ... रूप में किया जाता है।

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,B

प्रश्न क्र.

(ii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग कपड़े धोने में किया जाता है।

(iii) कागज उद्योग में काम आता है।

प्रश्न क्रमांक - 10 (अथवा)

उत्तर - लक्षण :- एन्जाइम के विशिष्ट लक्षण निम्नलिखित है।

(i) एन्जाइम की मात्रा मे अन्तर होता है।

(ii) एन्जाइम शरीर में स्वयं बनते है। ये जटिल कार्बनिक पदार्थ है।

(iii) इम जल में विलेय होते है।

प्रश्न क्रमांक - 11

उत्तर - वाष्पोत्सर्जन :- पौधे के वायवीय भागो से होने वाली जल हानि को वाष्पोत्सर्जन

P.T.O

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

कहते है। वाष्पोत्सर्जन तीन प्रकार के होते है।

(i) रन्ध्रीय वाष्पोत्सर्जन

(ii) उपत्वचीय वाष्पोत्सर्जन

(iii) वातरन्ध्रीय वाष्पोत्सर्जन

प्रश्न क्रमांक - १२

उत्तर - समांग माध्यम :— वह माध्यम जिसमे प्रकाश के गुण प्रत्येक बिन्दु समान होते है समांग माध्यम कहते है

जैसे :— काँच, जल, वायु।

प्रश्न क्रमांक - 13 (अथवा)

उत्तर - विशेषताएँ :— उत्प्रेरको की विशेषताएँ निम्नलिखित है!

(1) उत्प्रेरक की अल्प मात्रा अभिक्रिया के लिए पर्याप्त होती है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(ii) उत्प्रेरक किसी रासायनिक क्रिया को आरम्भ नही करते केवल उसकी गति को कम या अधिक कर देते है।

(iii) किसी एक ताप पर उत्प्रेरक की क्षमता सर्वाधिक होती है लेकिन विभिन्न तापो के लिये ये क्षमता भिन्न - भिन्न होती है।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 14 (अथवा)

उत्तर :- प्रकार :- श्वसन दो प्रकार के होते है -

(i) आक्सी श्वसन

(ii) अनाक्सी श्वसन

(i) आक्सी श्वसन :- यह आक्सीजन की उपस्थिति मे होता है इसे वायवीय श्वसन भी कहते है इसमे जटिल खाद्य पदार्थ आक्सीजन की उपस्थिति $6O_2$ एंव H_2O मे टूटते है और ऊर्जा ~~मुक्त~~ उत्पन्न होती है। इसमे 673 K. कैलोरी उर्जा उत्पन्न होती है।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) <u>अनाक्सी श्वसन</u> :— इसे अवायवीय श्वसन भी कहते है यह आक्सीजन की अनुपस्थिति होता है इसमे एथिल एल्कोहॉल या इथेनॉल बनता है तथा कम मात्रा मे उर्जा उत्पन्न होती है। इसमे २१.४ kcal उर्जा उत्पन्न होती है,

प्रश्न क्रमांक - 15 (अथवा)

B
S
E

उत्तर – मनुष्यो मे जीवाणुओ द्वारा फैलने वाले रोगो के नाम व जीवाणुओं के नाम निम्नलिखित है –

क्र.	रोगो के नाम	जीवाणुओ के नाम
(i)	हैजा	बिब्रियो कोलेरा
(ii)	टायफाइड	साल्मोनेला टायफोसा
(iii)	न्यूमोनिया	डिप्लोकोक्कस न्यूमोनी
(iv)	तपेदिक या क्षय रोग	माइक्रोबैक्टीरिया ट्यूबर कुलोसिस

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक - 16 (अथवा)

उत्तर - अंतर :— वास्तविक एवं आभासी स्पेक्ट्रम में अन्तर निम्नलिखित है।

क्र.	वास्तविक स्पेक्ट्रम	क्र.	आभासी स्पेक्ट्रम
(i)	वास्तविक स्पेक्ट्रम को पर्दे पर प्राप्त किया जा सकता है।	(i)	आभासी स्पेक्ट्रम को पर्दे पर प्राप्त नही किया जा सकता है।
(ii)	इनमे बैगनी रंग प्रिज्म के आधार की ओर होता	(ii)	इनमे लाल रंग प्रिज्म के आधार की ओर होता है।
	से देखने के लिए किसी विशेष दिशा की आवश्यकता नही होती।	(iii)	इसे निर्गत किरणो की दिशा मे ही देखा जा सकता है।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्रमांक - 17

उत्तर :- उपयोग :- कोलॉइडो का दैनिक जीवन मे निम्नलिखित उपयोग है।

(i) औषधियो मे :- बहुत सी औषधियाँ कोलॉइडी अवस्था में होती है जिससे ये शरीर में आसानी से अवशोषित होकर सरलता से पच जाती है। और अधिक प्रभावशाली होती है।

(ii) उद्योगो मे :- चमडा, डेयरी उद्योग, चाय उद्योग आदि उद्योगो मे कोलाइडी गुणो का उपयोग किया जाता है।

(iii) सौन्दर्य प्रसाधन मे :- कई सौन्दर्य प्रसाधन जैसे - क्रीम, फेस क्रीम, स्नो, सेविंग क्रीम आदि सौन्दर्य प्रसाधनो में कोला[illegible] का प्रयोग किया जाता है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(iv) कारखानो में :- कारखानो की चिमनियो से निकलने वाले हानिकारक धुएँ के अवक्षेपण में कोलाइडी गुणो का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न क्रमांक - 18 (अथवा)

उत्तर :- कटाई सम्बंधी यंत्रो के नाम निम्नलिखित है -

(i) सिक्रेटियर

(ii) कृंतन चाकू

(iii) घास काटने की मशीन

(iv) कृंतन आरी

(v) हँसिया

P. T. O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(i) कृतन चाकू :— यह टेडी फाल वाला चाकू होता है जो चारा काटने सब्जियाँ काटने एवं पौधो की शाखाएँ काटने के काम आता है यह यंत्र ग्रामीण तथा शहरी हर जगह उपयोग में लाया जाता है और कृतन चाकू हर जगह उपलब्ध होता है।

(ii) हसियाँ :— यह अर्धचन्द्राकार हत्थेदार तथा बीच से मुडा हुआ यंत्र होता है इसका उपयोग पेडो की मोटी शाखाऐ काटने, घास काटने, सब्जियाँ काटने आदि मे प्रयोग किया जाता है। यह यंत्र ज्यादातर लोहे का होता है यह पेडो की कटाई छटाई के लिए अत्यन्त आवश्यक है। ग्रामी[illegible] लोग ज्यादातर इसका प्रयोग करते है।

प्रश्न क्रमांक - 19

उत्तर :— प्रकाश संश्लेषण की परिभाषा : [illegible] सूर्य प्रकाश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

~~जल एंव कार्बनडाइ आक्साइड से कार्बोहाइड्रेट बनने की क्रिया प्रकाश सश्लेषण कहते है~~
एंव क्लोरोफिल की उपस्थिति मे जल एंव कार्बन डाइ आक्साइड से कार्बोहाइड्रेट बनने की क्रिया प्रकाश सश्लेषण कहलाती है। इस क्रिया मे CO_2 एंव जल से कार्बोहाइड्रेट का निमार्ण होता है।

$$6CO_2 + 6H_2O \longrightarrow C_6H_{12}O_6 + O_2\uparrow$$

प्रकाश सश्लेषण के महत्व निम्नलिखित है :-

(i) प्रकाश सश्लेषण की क्रिया मे पौधे CO_2 ग्रहण करते है तथा O_2 बाहर निकालते है यह वायुमण्डल का शुद्धिकरण करती है तथा CO_2 एंव O_2 के अनुपात को बनाये रखती है।

(ii) प्रकाश संश्लेषण [illegible]ी क्रिया से हमे पौधो से रबर, सेल्युलोज, चमडा आदि महत्व की वस्तुएँ प्राप्त होती है,

(iii) प्रकाश सश्लेषण की क्रिया सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति मे होती है।

P. T. O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - २०

उत्तर - विद्युत लेपन :— किसी एक धातु पर दूसरी धातु की कुलई करने या मुलम्मा चढाने की क्रिया को विद्युत लेपन कहते है। जिस धातु की वस्तु का लेपन करना है उसे अच्छी तरह साफ करके कैथोड की जगह लटका देते है एंव जिस धातु की परत चढानी है उसे एनोड की जगह लटका देते है। पात्र में विद्युत अपघट्य भर दिया जाता है। अब ऐनोड पर लटकी धातु घुलने लगती है कैथोड पर जमने लगती है इस क्रिया को विद्युत लेपन कहते है।

धातुओ का विद्युत लेपन :— (i) कई धातुऐ जैसे, लोहे ~~जिंक~~ कॉपर आदि को जंग से बचाने के लिए उस पर निकिल का अस्तर चढा दिया जाता है।

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(vi) धातुओ का औद्योगित मूल्य बढाने के लिए ताँबे के बर्तनों पर चाँदी का अस्तर चढा दिया जाता एंव चाँदी के पर सोने का मुलम्मा चढा दिया जाता है।

B
S
E